SHRI ANAND SHARMA: I think, it is being very uncharitable and very unfair not only on the part of Yechuryji, but also others, to what they are implying. I would like to categorically state that the Government of India pursues an independent foreign policy which takes into consideration strictly India's supreme national interest. We are neither dictated to nor told what foreign policy to pursue, and to say that there is any surrender, is not correct...(*Interruptions*)...No, we cannot have a debate on this specific issue. As I said earlier, we will come with a statement...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: I just want to make one submission. All that I want the Minister to clarify is this. Did the External Affairs Ministry in December 2005 give any notification or issued orders asking these companies to stop trading with Iran?

SHRI ANAND SHARMA: Sir, as I have said earlier, I am going to check that and come back to this House.

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं एक बात कहना चाहता हूं।

श्री उपसभापति : यह तो हो गया!

श्री उदय प्रताप सिंह : सर, मुझे दूसरी बात कहनी है।

श्री उपसभापति : मैं आपको अभी बुलाता हूं।

श्री उदय प्रताप सिंह : सर, आज सुबह जब मीटिंग हुई थी तो यह तय किया गया था कि श्री नटवर सिंह जी के पर्सनल वक्तव्य के बाद सबसे पहले मुझे अपने बात कहने का मौका दिया जाएगा, मेरा ही नोटिस सबसे पहले था, तब मुझे किसलिए रोका जा रहा है, कृपया मुझे यह बताया जाए।

श्री उपसभापति : नहीं रोका जा रहा है। आप क्यों कह रहे हैं कि रोका जा रहा है?

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश) : सर, इन्हें बोलने दीजिए।

श्री उपसभापति : बोलने देंगे।...(**व्यवधान**)... देखिए, यहां पर आपने दिया था, तब उनको भी बुला लिया गया है, वे भी पर्सनल स्टेटमेंट दे रहे हैं। उस कारण से जो अन्य ज़ीरो ऑवर के मेंशन हैं, उन्हें पहले ले लिया जाए, ऐसा चेयरमैन साहब ने डिसाइड किया है।

Demand for an inquiry into the reported killing of an Indian from Deoria District of Uttar Pradesh in Tehran under mysterious circumstances and attempt by the company to conceal the truth

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय सदन के माध्यम से उठाना चाहता हूं। देवरिया जनपद में चतुरी गांव के निवासी, अध्यापक नरसिंह तिवारी का बेटा सुबोध मर्चेन्ट नेवी की ट्रेनिंग में जाने के पश्चात तेहरान की एक कम्पनी अल हमीद के

साथ समझौते के आधार पर काम करने के लिए रखा गया था। 21 जुलाई को उसके साथ काम करने वाले एक भारतीय ने उसके गांव में फोन करके सूचना दी कि सुबोध की संदिग्ध तरीके से मौत हो गयी है तथा वहां की कम्पनी और सरकार उसको छुपा रही है। काफी प्रयास के बाद 8 अगस्त को श्री तिवारी को एक शव सौंपा गया, लाश को भेजा गया, जिसका वह जब अंतिम संस्कार करने के लिए ले गए - वरहज, देवरिया जिले में पड़ता है, वरहज नामक स्थान पर जब उसका अंतिम संस्कार करने के लिए ले गए, तो वह शव उनके लड़के का न होकर एक महिला का था। उस महिला का नाम जो बाकायदा अरबी में लिखा हुआ था, वह फातिमा था। उस अध्यापक ने इतनी सहृदयता दिखाई कि उस महिला के शव को उसके पते के आधार पर यहां प्रेषित किया, यहां ले आया। लेकिन उस नरसिंह तिवारी के लड़के का शव अभी तक मिला नहीं है, वह भटक रहा है और उसको एक तरह से परेशान करने की कोशिश की जा रही है। दुर्भाग्य है कि भारत सरकार उसके ऊपर ध्यान नहीं दे रही है जब कि इलेक्ट्रॉनिक चैनल के माध्यम से यह काफी प्रचारित भी हुआ है और आज वह बाप बड़ी परेशानी का अनुभव कर रहा है। जहां उसको सांत्वना देनी चाहिए, पैसा देना चाहिए, उसके बजाय कम्पनी की तरफ से अभी भी उसे छिपाने की कोशिश की जा रही है, उसको ढंग से बताया नहीं जा रहा है। एक अजीब प्रकार की हालत पैदा हो गई है। हम जानना चाहेंगे कि भारत सरकार इस संबंध में तेहरान में काम करने वाले सुबोध के शव के बारे में जानकारी दे कि कैसे उसकी मृत्यु हुई? संदिग्ध हालात में मृत्यु कैसे हुई, यह बताया जाए, इसके बारे में पता करे। कहा गया कि encephalitis के कारण उसकी मृत्यु हुई, जबकि वास्तविकता यह थी कि 21 जुलाई को, जिस दिन उसकी मृत्यु हुई, उस दिन खुद उसकी अपने पिता से बात हुई। जान-बूझकर छिपाने की कोशिश क्यों की जा रही है, यह भी जानकारी दें, तो ज्यादा अच्छा होगा। सबसे पहले तो उसका शव दिलवाया जाए। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव (बिहार) : उपसभाध्यक्ष जी, सरकार यहां है।

श्री उपसभापति : वे जवाब दे रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव : यह गंभीर मामला है। ...(व्यवधान)... अपने देश का आदमी बाहर गया है, इसके बारे में आप इतनी असावधानी बरतेंगे? आप क्या करेंगे, यह बताइए।

श्री उपसभापति : वे बोल रहे हैं... शरद यादव जी, मिनिस्टर बोल रहे हैं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI E. AHAMMED) : Mr. Deputy Chairman, Sir, I would like to share the information available with the Government on this serious matter.

Sir, I am just giving the facts which I have collected. On July 21, an Indian national, Shri Subodh Kumar Tiwari, son of Mr. Narsingh Tiwari, was killed in an accident on a ship at Kharkland Port in Iran. The ship belonged to Ali Hamid Siddiqui Shipping Company, Khor Dubai. The Indian Embassy in Tehran contacted the Shipping Company and asked it to arrange to send the body to India. The Shipping Company arranged for the embalming of the body after which it was sent to India in a coffin. The

body was flown back on 8th August to Delhi from where it was taken by the members of Shri S.K. Tiwari's family to Varanasi. However, in Varanasi, the family discovered that the body was that of a woman.

Our Embassy in Tehran took up the matter very strongly with the Shipping Company whose handling agent's error led to this mix-up. The Embassy asked the Shipping Company to arrange for the return of the woman's body to Iran and to also send the body of Shri S.K. Tiwari to India. The body of Shri S.K. Tiwari is being sent today, and it should reach India tomorrow, the 15th. The body of the woman has been sent back to Iran. Our Embassy has also taken up the matter seriously with the Company. Whatever the hon. Member has now suggested will also be told to the Company and whatever compensation is required or whatever possible help is to be given, the Embassy will take up the matter with them. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : उपसभापति जी, मैं एक बात निवेदन करना चाहता हूं। ...**(व्यवधान)**...

SHRI E. AHAMMED: Sir, one more thing I want to mention here is...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : मिनिस्टर ने अभी खत्म नहीं किया है।

SHRI E. AHAMMED: Sir, I would just like to inform the hon. Member that Kharkland Port in Iran is 500 kms. away from Tehran. In spite of all these difficulties, our Embassy has acted upon swiftly, and they have made efforts to see whatever best can be done. This mix-up, I am told, has also happened in the hospital.

श्री शरद यादव : उपसभापति जी, मैं इस हाऊस के माध्यम से विनती करना चाहता हूं कि अभी एक घटना हो गई। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि देश के अंदर एक व्यवस्थित नीति बननी चाहिए कि देश में सबसे ज्यादा फॉरेन एक्सचेंज इस तरह के लोगों से कमाकर भेजा जाता है, तो इसके लिए एक नीति बननी चाहिए। जब यह चीज़ अखबार में आ जाएगी, टी.वी. में आ जाएगी, तब एक स्टेटमेंट देकर एक व्यक्ति के बारे में आप कह देंगे, इसलिए एक well thought पॉलिसी बननी चाहिए कि जो NRIs हैं या जो बाहर काम करने गए हैं, यदि इस तरह की घटना हो जाती है, तो कौन उसको देखेगा, किस तरह उनसे कॉन्टेक्ट करेगा? इसके लिए यहां एक स्पेशल सैल बननी चाहिए, जो अपने देश के लोगों के साथ वहां बातचीत करे और वहां, embassy में लोगों को इनफॉर्म किया जाए। अभी तो एक घटना सामने आ गई, मैम्बर ने उल्लेख किया, मैं भी उसको जानता था, लेकिन यह सरकार क्या एक व्यवस्थित नीति बनाने का काम करेगी, जिससे कि इस तरह की दिक्कत आगे आने वाले समय में न आ सके?

श्री कलराज मिश्र : माननीय, इन्होंने स्टेटमेंट में कहा है कि वाराणसी में शव को खोला गया और वहां पता लगा, तो यह वाराणसी में न होकर देवरिया जनपद में बरहज स्थान पर अंत्येष्टि के लिए ले जाया गया और वहां जब शव खोला गया, तब पता लगा कि यह महिला का शव है, इसलिए थोड़ा ध्यान रखना चाहिए।

श्री उपसभापति : यह तो जगह की बात है। ठीक है । The next one. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : उपसभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आपने सुझाव दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव : सर, आनन्द शर्मा जी बैठे हैं। कुछ तो ...(व्यवधान)... इतने कैजुअल वे में हर चीज़ को लेते हैं?

SHRI E. AHAMMED: Sir, I would like to say that there is a standing instruction or direction to all our embassies on how they should act, when such things happen, to bring back the mortal remains of our nationals if relatives so wish. It is being done. Of course, only when such a thing happens the public attention has been drawn to it. The Government has already done all possible things in this matter. That is why the body will be reaching here tomorrow.

Expulsion of Indian Diplomat by Pakistan

SHRI YASHWANT SINHA (Jharkhand): Mr. Deputy Chairman, Sir, I wish to draw the attention of the Government, through you, to an incident which took place some days ago; but as the House, unfortunately, could not function during Zero Hour, I am compelled to raise it somewhat belatedly today.

Sir, as you are all aware, an Indian diplomat in Islamabad, Mr. Deepak Kaul, was not only expelled by the Pakistani authorities on the alleged charges of spying but also hand-cuffed, blind-folded, taken to an unknown destination and questioned there for five hours. Ultimately, the Government of Pakistan decided to declare him *persona non grata* and expelled him, and told him to leave Pakistan within 48 hours. The Government of India responded by expelling a Pakistani diplomat who was posted in Delhi.

Sir, Pakistan's action is in complete violation of all the international norms of the Vienna Convention and there is no explanation, so far, as to why the Pakistani authorities behaved in the fashion in which they did.